11 उल्टा-पुल्टा

चलते-चलते निचली छत से,
गिरती जब छिपकली छपाक;
तुरंत सँभल जाती उस क्षण ही,
उठ चल देती अपने आप ।

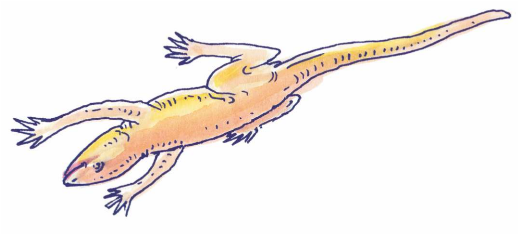

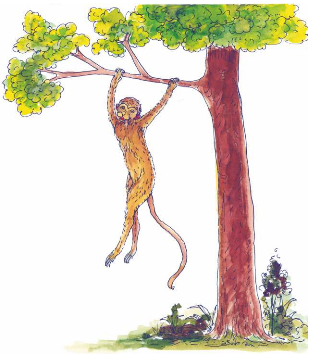

ऊपर की डाली से बंदर,
जब आ गिरता है नीचे;
झटपट पकड़ दूसरी डाली,
हँसता है आँखें मींचे ।

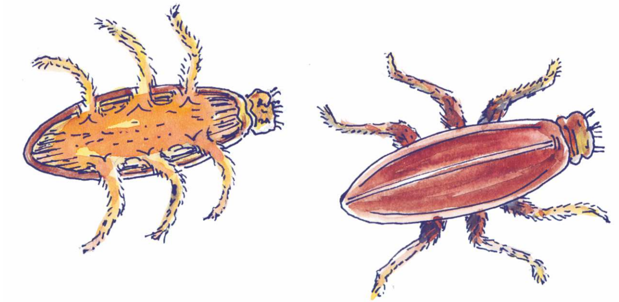

तिलचट्टे, चींटे जब चलते,
एकाएक पलट जाते हैं;
झपट हाथ-पैरों को अपने,
फिर सीधे हो चल पाते हैं ।

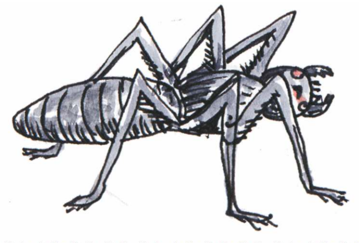

चींटी गिरती, मकड़े गिरते,
गिरगिट गिरते और सँभलते,
गिरने पर वे साहस खोकर,
कभी न अपनी आँखें मलते ।

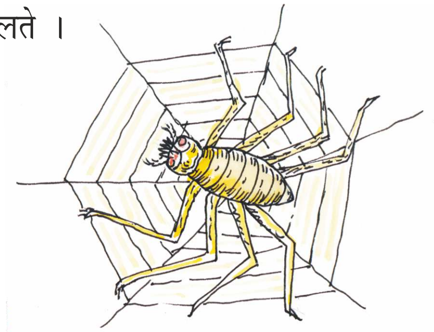

गिरने और पिछड़ने पर,
जो हिम्मत खोते, पछताते हैं;
धूल झाड़ जो तुरंत सँभलते,
वे जीवन में सुख पाते हैं ।

-भगवती प्रसाद द्विवेदी

अभ्यास

1. **आइए बातचीत करें -**

(क) छिपकली जब छत से नीचे गिरती है तब आपको कैसा लगता है? क्यों?

....

(ख) पेड़ की डालियों पर बंदरों को उछल-कूद करते देख आपके मन में क्या-क्या भाव उठता है?

....

(ग) चींटियों को एक कतार में चलते हुए देखकर आप उनके बारे में क्या सोचते हैं?

....

2. **कविता से बताएँ -**

(क) गिरगिट और मकड़ी गिरने के बाद क्या करते हैं?

....

(ख) कैसे व्यक्ति पछताते हैं ?

....

(ग) कौन-से व्यक्ति सुख पाते हैं ?

....

3. **कविता के आधार पर नीचे दिए गए वाक्यों को पूरा कीजिए -**

(क) चलते-चलते .... निचली छत से गिर जाती है।

(ख) बंदर ऊपर की .... से नीचे आ गिरता है।

(ग) तिलचट्टा चलते हुए एकाएक .... जाता है।

4. **नीचे दिए गए शब्दों की समान ध्वनि वाले दो-दो शब्द लिखिए -**

(क) मलते - ....

(ख) डाली - ....

(ग) मकड़े - ....

5. पढ़कर समझिए और दूसरी तरह से लिखना सीखिए-

उदाहरण - बन्दर - बंदर

(क) तुरन्त - ....

(ख) अन्दर - ....

(ग) परन्तु - ....

(घ) मन्दिर - ....

(ङ) मकड़े - ....

6. नीचे दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखिए-

(क) हाथ - ....

(ख) पैर - ....

(ग) साहस - ....

(घ) सुख - ....

7. कविता की दी गई पंक्तियों को सामान्य वाक्यों में लिखिए-

उदहारण - ऊपर की डाली से बंदर,
जब आ गिरता है नीचे;

जब बंदर ऊपर की डाली से नीचे आ गिरता है;

(क) तुरंत संभल जाती उस क्षण ही,
उठ चल देती अपने आप ।

(ख) झटपट पकड़ दूसरी डाली,
हँसता है आँखें मींचे।

8. नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए -

(क) चलते - चलते -

(ख) झटपट -

(ग) हिम्मत -

9. अन्त्याक्षरी के आधार पर शब्दलड़ी को आगे बढ़ाइए -

चींटी - टीन - नल - [ ] - [ ] - [ ] - [ ] - [ ]

10. कविता में जीव-जन्तुओं के नाम ढूँढ़कर लिखिए ।

●●●